NT>

Title: Need to resolve acute drinking water problem in Ajmer District, Rajasthan.

*m01

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान के साथ-साथ अजमेर जिले में भी लगातार चौथे वर्ा भयंकर अकाल, घोर सूखे एवं दुर्भिक्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के समस्त स्रोत सूख गए हैं। वर्ा की एक बूंद भी नहीं गिरने के कारण पुराने जलाशयों एवं बावड़ियों का पानी भी सूखने की स्थिति में है। हैंडपम्प एवं कुए आदि सभी सूख गए हैं। जलस्तर अत्यधिक नीचे चला गया है। जहां पेयजल थोड़ा बहुत उपलब्ध है, वह भी फ्लोराइड से युक्त है, जिसे पीकर लोग कुबड़ेपन तथा अन्य कई प्रकार की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। पानी के अभाव में पशुओं का पालना भी बहुत मुश्किल हो गया है। गांव वासियों को बहुत दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है। अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि अजमेर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट निवारण हेतु अंडरग्राउंड वाटर बोर्ड के माध्यम से गहरे ट्यूबवैल खुदवाने की योजना स्वीकृत करें तथा पूर्व में राज्य सरकार के माध्यम से प्रेति फ्लोराइड युक्त गांवों को बीसलपुर पेयजल योजना से पेयजल उपलब्ध कराने की योजना हेतु विशेा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उसे शीघ्र क्रियान्वित कराया जाए।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रो. रासा सिंह रावत, राजस्थानी पगड़ी में बड़े शोभायमान लग रहे हैं। एक कहावत भी है-

" राग, रसोई, पागड़ी, कभी-कभी बन जाय "

प्रो. रासा सिंह रावत : आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय : डा. रघुवंश प्रसाद सिंह जी, आप बैठिए।